"नागरिकशास्त्र शिक्षण"

प्रथम अध्याय

नागरिकशास्त्र का अर्थ :—

हम मनुष्य को जन्मजात प्रवृत्ति में से किसी एक प्रवृत्ति को बात करे तो वह उसकी सामाजिकप्राणी होने की होगी। इसरे शब्दों में मनुष्य एक सामाजिकप्राणी है और वह अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति एवं अपने विकास के लिये समाज पर निर्भर रहता है। समाज से अलग मनुष्य अपने अस्तित्व की कल्पना भी नहीं कर सकता है और नागरिकशास्त्र सामाजिक विज्ञान की वह शाखा है जो मनुष्य को सफल सामाजिक जीवन व्यतीत करने में सहायता प्रदान करता है। यह विषय व्यक्ति को एक सफल एवं सुसंस्कृत नागरिक बनने का प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

नागरिकशास्त्र जिसे अंग्रेजी में Civics कहा जाता है: इसका प्रादुर्भाव लैटिन भाषा केदो शब्दों से मिल कर बना माना जाता है।

① - सिविस - (Civis) = नागरिक (Citizen)
② - सिविटास - (Civitas) = नगर (City)

इस प्रकार हम यह कह सकते है कि सिविक्स का वास्तविक अर्थ है — "नगर-राज्य के सदस्य" अतः नागरिकशास्त्र मनुष्य का नागरिक के रूप में अध्ययन करने वाला एक विज्ञान है।

नागरिकशास्त्र की परिभाषाएँ :—

नागरिकशास्त्र की परिभाषा विषय-विशेषज्ञों ने अपने-अपने दृष्टिकोण के आधार पर दी है और इन सभी परिभाषाओं का समालोचनात्मक विश्लेषण करने पर हम यह ज्ञात होता है कि सभी विचारक इस विज्ञान को एक गतिशील विज्ञान के रूप में देखते है।

विभिन्न विचारकों ने नागरिकशास्त्र की परिभाषा निम्न प्रकार से दी है :—

अरस्तू के अनुसार :—

"नागरिकशास्त्र वह विज्ञान है जो अच्छी सामाजिक आदतों का अध्ययन करता है।"

टी० एच० ग्रीन के अनुसार :—

"सामाजिक हित ही प्रत्येक व्यक्ति का यथार्थ हित है और नागरिकशास्त्र में इसी का अध्ययन किया जाता है।"

प्रोफेसर गेडिस के अनुसार :—

"नागरिकशास्त्र सामाजिक पर्यवेक्षण को सामाजिक सेवा हेतु प्रयोग करता है। नागरिकशास्त्र का उद्देश्य केवल सामाजिक - संस्थाओं और उनके विकास का ज्ञान देना मात्र नहीं है। बल्कि समाज के प्रति सक्रिय भक्ति की प्रेरणा देना भी है।"

नागरिकशास्त्र की उपरोक्त सभी परिभाषाएँ नागरिकशास्त्र के सामाजिक पक्ष पर बल दे रही है और इन सभी विचारकों का यह मानना है कि यह शास्त्र मनुष्य के व्यक्तित्व के सामाजिक पक्ष का विकास करता है और उसमें अच्छी आदतों का निर्माण करके उसके व्यक्तित्व के नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, एवं बौद्धिक पक्ष को विकसित करता है और इसके अध्ययन के द्वारा व्यक्ति अपने समाज की समस्याओं और सामाजिक वातावरण को समझता है।

नागरिकशास्त्र की व्यापक रूप में परिभाषाएँ :—

नागरिकशास्त्र की परिभाषा कुछ विचारकों ने अलग रूप में दिया है उनका मानना है कि नागरिकशास्त्र वह विषय है जिसके अन्तर्गत व्यक्ति अपने आस - पास की समस्याओं के साथ - साथ अपने कर्तव्यों एवं अधिकारों के विषय में भी ज्ञान प्राप्त करता है। यह विषय केवल व्यक्ति या एक गाव तक सीमित न हो कर जिला, राज्य एवं राष्ट्र तक का ज्ञान प्रदान करता है।

डॉ० ई० एम० हाइट के अनुसार :—

"नागरिकशास्त्र न्यूनाधिक रूप में मानव ज्ञान की वह उपयोगी शाखा है जो नागरिक से सम्बन्धित सभी (सामाजिक, बौद्धिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा धार्मिक) पक्षों का प्रतिपादन करती है — चाहे वे भूतकाल, वर्तमान तथा भविष्य के हों, चाहे स्थानीय, राष्ट्रीय या मानवीय हों।"

विश्व कोश के अनुसार :—

"नागरिकशास्त्र समाज में मनुष्य के अधिकारों एवं कर्त्तव्यों का विज्ञान है।"

एफ० जे० गोल्ड के अनुसार :—

"नागरिकशास्त्र उन संस्थाओं, आदतों, क्रियाओं एवं भावनाओं का अध्ययन करता है जिसके द्वारा स्त्री या पुरुष किसी राजनैतिक समाज की स्थापना के कर्त्तव्य का पालन कर सके तथा इस सदस्यता से प्राप्त लाभों को ग्रहण कर सके।"

डॉ० बेनी प्रसाद के अनुसार :—

"नागरिकशास्त्र का सम्बन्ध हमारे पास-पड़ोस की समस्याओं व उनके प्रति कर्त्तव्यों से है।"

बाइनिंग एवं बाइनिंग के अनुसार :—

"नवीन नागरिकशास्त्र को प्रायः सामुदायिक नागरिकशास्त्र के नाम से पुकारा जाता है जिसमें सामाजिक वातावरण के प्रति छात्र के सम्बन्धों पर बल दिया जाता है इस सामाजिक वातावरण के अन्तर्गत स्थानीय समुदाय, ग्रामीण या नगरीय समुदाय, राज्य समुदाय, राष्ट्रीय समुदाय तथा विश्व समुदाय आते हैं।"

Definitions of Civics

Different subject experts have defined civics differently and in their own unique way. Following are some of the popular definitions of civics.

According to Aristotle

"Civics is the science which studies the conditions of the best possible social life."

According to T.H. Green

"Social good is the real good of a man and civics studies that."

As per Prof. Gaddes

"Civics is the application of social survey and social services."

Above mentioned definitions of civics gives focus on social aspect of civics and they revolve around the fact that how civics helps in developing social aspect of someone's personality.

Now let us have a look at those definitions which focus on political aspect of civics and are more comprehensive.

According to E.M. White

"Civics is more or less useful branch of human knowledge, which deals with everything (e.g., social intellectual, economic, political and even religious aspects) relating to a citizen to a citizen, past, present, and future local, national and human."

According to Encyclopedia Britanica

"Civics is the science of rights and duties of man in society."

According to Prof. P. J. Gould

"Civics is the study of institution, habits, activities and spirit by means of which a man or woman may fulfil the duties and receives the benefits of membership of a political community"

As per Dr. Beni Prasad

"Civics treats specially the affairs of neighbourhood and the duties of man.

As per Binning and Binning

"the new civics is frequently called community civics, to emphasize the pupil's relation to his social environment which is conceived as a series or successively enlarged communities - the local community, the town or city community, the state community, the national community and the world communit